PRATHAM BOOKS
A Book in Every Child's Hand

पठन स्तर २

गरजे बादल नाचे मोर

Authors: Mala Kumar, Manisha Chaudhry
Illustrator: Priya Kuriyan
Translator: Rajesh Khar

आकाश में बड़े-बड़े काले बादल घिर आए हैं और मुझे उनकी गड़गड़ाहट भी सुनाई दे रही है। शीघ्र ही मानसून आने वाला है। इसे वर्षा ॠतु कहते हैं। मुझे बारिश से भीगी मिट्टी की सौंधी महक बहुत अच्छी लगती है। लम्बी गर्मियों के बाद मिट्टी भी बारिश की बूँदों की राह देखती है। मुझे ऐसा ही लगता है।

बारिश से ज़मीन पर तरह-तरह के नमूने बन जाते हैं। मेरे चाचा ने वर्षा का पानी एकत्रित करने के लिए कई जगह बालटियाँ और ड्रम रखे हैं। परनालों से छत का पानी इन ड्रमों में गिरता है। मैं इन्हें झरना कहती हूँ!

बारिश होते ही चाची को ज़ोर-ज़ोर से गाना अच्छा लगता है।

बनारस वाली शुभा मौसी ने मुझे कुछ सुंदर गीत सिखाए हैं। इन गीतों को कजरी कहते हैं। क्या आपको मालूम है कि सम्राट अकबर के दरबार में एक प्रसिद्ध गायक थे मियाँ तानसेन? कहा जाता है कि वो “मियाँ की मल्हार” नाम का एक राग गाते थे तो वर्षा आ जाती थी। मैं भी संगीत सीखूँगी-शास्त्रीय संगीत।

स्कूल से घर लौटते हुए रास्ते में, मैं वर्षा से भीग गई, पर बड़ा मज़ा आया। हमारे घर के पास वाले खेत में मोर नाच रहे थे। लेकिन वो तो भीग नहीं रहे थे! मनु ने बड़े वाले पेड़ से एक झूला बाँधा है और मैं अभी झूलना चाहती हूँ। झूलते हुए बारिश की ठंडी फुहार मेरे मुँह पर पड़ेगी।

रसोई से माँ के तले पकौड़ों की सुगन्ध आ रही है।
क्या मैं थोड़ा लालच कर के एक-दो भुट्टे भी खा लूँ?
माँ हमें पीने को गर्म दूध देती हैं। कल उन्होंने मसालेदार मुरमुरे बनाए थे। और माँ ने कहा है कि कल वे पूड़ियाँ बनाने वाली हैं!

सभी पेड़-पौधे हरे-भरे हो जाएँगे और खुश दिखाई देंगे। ठीक उस हरे दुपट्टे की तरह जिसे हरी भैया ने जयपुर से भेजा है। वो बता रहे थे कि उसे धानी चुनरिया कहते हैं। धानी जैसे धान के नन्हे पौधों का रंग। दादा कह रहे थे कि अच्छी बारिश होने से किसानों को अच्छी फसल मिलेगी।

हम सभी वर्षा की प्रतीक्षा करते हैं पर किसान तो वर्षा के देवताओं की पूजा करते हैं। मानसून में मेरा आम का पौधा काफी लम्बा हो गया है। अब मुझे उसे सींचने की ज़रूरत नहीं पड़ती! पिछले महीने जब बड़ी तेज़ आँधी चली थी, मेरा पौधा मज़बूती से खड़ा रहा। क्या मेरा आम का पेड़ इस पेड़ के जितना बड़ा हो जायेगा?

PRATHAM BOOKS storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Story Attribution:

This story: गरजे बादल नाचे मोरis translated by Rajesh Khar . The © for this translation lies with Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'Peacocks and Pakodas!', by Mala Kumar, Manisha Chaudhry . © Pratham Books , 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Other Credits:

This book has been published on StoryWeaver by Pratham Books. Pratham Books is a not-for-profit organization that publishes books in multiple Indian languages to promote reading among children. www.prathambooks.org

Images Attributions:

Cover page: Girl and peacock in the rain, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: Girl enjoying the rain, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: Girl looking at rain water collecting in drums and man standing with umbrella, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: Girl and lady playing musical instrument, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: Girl looking at peacocks dance in the rain, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: Girl and boy sniffing aroma from kitchen, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: Girl in the field , by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: Girl hugging tree in the rain, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

गरजे बादल नाचे मोर

(Hindi)

सुरीली कजरी सुनने से ले कर छोटे झरनों के संगीत तक और गीली मिट्टी की खुशबू से लेकर अम्मा के बनाए हुए गर्म पकोड़ों की सुगन्ध तक, वर्षा की हर बात मीनू को भाती है!

This is a Level 2 book for children who recognize familiar words and can read new words with help.

PRATHAM BOOKS
storyweaver

Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!